NATRAJ KALA KENDRA CHOGA

नटराज कला केन्द्र चोगा

Reg. No. - 303/2003-204 (Ranchi)
Registered Under Society Registration Act 21,1860
PAN No. AABAN5630R

Ref. No. : 05 Date : 20/08/2019

सेवा में,

सुमन कुमार
उप सचिव
(DRAMA/ICH)
संगीत नाटक अकादेमी
नई दिल्ली

विषय :— विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के अंतर्गत नाचनी नाच का प्रशिक्षण एवं प्रलेखिकरण योजना का पूर्ण प्रतिवेदन सह उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषन के सम्बन्ध में ।

महाशय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में अनुरोध है कि आपका पत्र सं0 28–6/ICH scheme/50/2015–2016 दिनांक 28 जनवरी 2016 के द्वारा विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के अंतर्गत नाचनी नाच का प्रशिक्षण एवं प्रलेखिकरण योजना के तहत कुल 1,50,000.00 एक लाख पचास हजार रूपये स्वीकृत हुआ था, जो उपयोग कर ली गई है । अंतिम प्रतिवेदन और उपयोगिता प्रमाण पत्र इस पत्र के साथ संलग्न कर भेज रहा हूँ।

अतः श्री मान से निवेदन है कि अंतिम किस्त की राशि निर्गत हेतु आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा की जाय । सधन्यवाद !

विश्वासभाजन

20/08/2019
(प्रभात कुमार महतो)

सचिव

Address : P.O.- Soro, P.S. - Ichagarh, Via - Tiruldih, Dist. - Seraikela-Kharswan, Jharkhand - 832403
Phone : 9934150079, 9608068531, Fax : 0657-2320457
E-mail : nkkchoga@gmail.com Web : www.natrajkalakendrachoga.com

संगीत नाटक अकादेमी **Sangeet Natak Akademi**

NATIONAL ACADEMY OF MUSIC, DANCE AND DRAMA, INDIA
RABINDRA BHAVAN, FEROZE SHAH ROAD, NEW DELHI-110 001
Tel. : 23387246, 23387247, 23387248, 23382495
FAX : 91-11-23382659, 91-11-23385715 GRAM : NATAKADEMI
E-mail: sangeetnatak@bol.net.in
Website:http://www.sangeetnatak.org

अनुदान उपयोग प्रमाणपत्र
GRANT UTILIZATION CERTIFICATE

प्रमाणित किया जाता है कि संगीत नाटक अकादेमी द्वारा अपने तारीख..........

Certified that the sum of Rs. 1,50,000/- (Rupees One Lakh fifty thousand only) sanctioned by Sangeet Natak Akademi, New Delhi, in its letter No. 28-6/ICH-Scheme/50/2015-16

के पत्र संख्या.......... में.......... प्रयोजन

dated 28/01/2016 as an ad-hoc grant-in-aid for the year 2015-2016

के लिए वर्ष.......... के लिए तदर्थ सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत..........

for Nachni nach ka Pralekhan aur Karyashala

.... रुपए .... रुपए मात्र)

has been utilized for the purpose mentioned above.

की राशि का प्रयोग उपर्युक्त प्रयोजन के लिए किया गया है।

इस राशि के व्यय का विवरण संलग्न है।

A statement of expenditure for the amount is enclosed.

तारीख
Date 16/3/15

CA. HEMCHAND JAIN
Membership No.078762
चार्टर्ड लेखाकार द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित
COUNTERSIGNED BY CHARTERED ACCOUNTANT

HEMCHAND JAIN & CO. JAMSHEDPUR CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ताक्षर
Signature [signature]

नाम
Name Prabhat Kr. Mahato

पदनाम
Designation Secretary

संस्था की मोहर
Seal of the Institution

नटराज कला केन्द्र चोगा

संस्था का नाम एवं पता..........

Name and Address of the Institution Natraj Kala Kendra Choga
P.O - Soro, P.S - Pelagarh, Dist - Seraikela
Kharswan, Jharkhand - 832403

NATRAJ KALA KENDRA, CHOGA

REGD. NO. 303/ 2003-2004

P.O. Sora, Ichagarh, Saraikela - Kharsawan, Jharkhand 832 403.

RECEIPT & PAYMENT A/C NACHNI NACH -PRALEKHAN & WORKSHOP

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
Grant in aid received from Sangeet Natak Akademi	112,500.00	Fooding Expenses	28,000.00
		Stipend to students	57,500.00
		Light, Sound, Photo ,Videography	38,000.00
		Dresses	17,750.00
From our Fund	37,850.00	Printing & Stationery	1,100.00
		Travelling	8,000.00
	150,350.00		150,350.00

BALANCE SHEET FOR THIS PROGRAMME

LIABILITIES	AMOUNT	ASSETS	AMOUNT
Amount payable to Natraj Kala Kendra, Choga	37,850.00	Amount Receivable from Sangeet Natak Akademi	37,850.00
	37,850.00		37,850.00

for, HEMCHAND JAIN & CO.,
Chartered Accountants

HEMCHAND JAIN & CO. JAMSHEDPUR CHARTERED ACCOUNTANTS

(CA. Hemchand Jain)
Proprietor

Place : Jamshedpur
Date : 16 / 07 / 2019

Secretary 16/07/2019

नटराज कला केन्द्र चोगा

President

NATRAJ KALA KENDRA, CHOGA

NATRAJ KALA KENDRA CHOGA
नटराज कला केन्द्र चोगा

Reg. No - 303/2003-204 (Ranchi)
Registered : Under Society Registration Act 21,1860
PAN No. AABAN5630R

Ref. No. : 57 Date : 09/08/2016

सेवा में,

श्रीमान अमित सक्सेना **(ICH SECTION)**
संगीत नाटक अकादेमी
नई दिल्ली

विषय :– विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के अन्तर्गत नाचनी नाच का कार्यशाला एवं प्रलेखिकरन का प्रथम प्रतिवेदन प्रेषण के सम्बन्ध में।

महाशय,

उपरोक्त विषय के संबंध में अनुरोध है कि आपका पत्र संख्या 28–6/**ICH-scheme**/50/15–16 दिनांक 28 जनवरी 2016 के आलोक में निम्नांकित सुचनाओं के साथ प्रथम प्रतिवेदन प्रेषित की जा रही है –

1. योजना का परिचय संलग्न है ।
2. भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं परम्पराओं के संरक्षण की योजना का प्रपत्र संलग्न है ।
3. विशेषज्ञ, कलाकारों की जीवनवृत संलग्न हैं।
4. फोटो एवं सी0 डी0 संलग्न है ।

अतः श्रीमान से निवेदन हे कि उपरोक्त प्रतिवेदन प्राप्त कर द्वितीय किस्त की राशि निर्गत करने की कृपा की जाय ।

सधन्यवाद ।

विश्वासभाजिन

09/08/2016

प्रभात कुमार महतो

Address : P.O.- Soro, P.S. - Ichagarh, Via - Tiruldih, Dist. - Seraikela-Kharswan, Jharkhand - 832403
Phone : 9934150079, 9608068531, Fax : 0657-2320457
E-mail : nkkchoga@gmail.com
Web : www.natrajkalakendrachoga.com

नटराज कला केन्द्र चोगा

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

साधरणतः जो महिला नाचती है उसे नाचनी कहा जाता है,लेकिन वास्तव में झूमूर गीत के साथ साथ नाचने वाली को नाचनी कहा जाता है। नाचनी नाच में झूमूर गीत को गीतों का प्राण कहा गया है तथा गाने वालो को प्राण फूंकने का माध्यम है नाचनी । नाचनी अपनी नृत्य कला के साथ गायन में भी पारंगत होती है ।

नाचनी नाच उत्सव

नाचनी नाच का प्रचलन जमीनदारी प्रथा काल से ही रहा है । पहले राजा ,महाराजा, मुण्डा, मानकी, ठाकुर,खुंटकाटीदार आदि अपने अपने दरवार में मनोरंनजन हेतु यह नृत्य कराते थे । उन जमीनदारों के पारिवारिक तथा पारंम्पारिक उत्सव यथा – करमा, जितुआ, शादी–विवाह, मुंहजूठी, केस मुकदमा की जीत आदि में नाचनी नाच के माध्यम से मनोरंजन करते थे । विशेष तौर पर अभी भी इसका आयोजन कार्तिक पूर्णिमा यानि रासपूर्णिमा के दिन होता है । प्रचलित कथानुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक पूणिमा के दिन राधिका सहित अपने सखियों के साथ जो रासलीला किया था, उसी रासलीला की परम्परा को वनाये रखने हेतु राजा महाराजाओं ने अपने दरवार पर बने अखाड़े पर नाचनी नाच का आयोजन करते है।

नाचनी वही बन सकती है जो नृत्य के साथ गायन में भी निपुण होते है । नाचनी रखने वाला को रसीक (उस्ताद) कहेंते हैं । नाचनी अपनै मालिक यानि रसीक के आदेश के विना नृत्य एवं गायन नहीं करती हैं।

वेश–भूषा

नाचनी अपनी माथे पर फूल, चेहरा पर सुन्दर ढंग से सजकर, वदन पर चमकीले पोषाक, कमरबंध, पैरों पर घूंघरू बांधकर, हाथ में रूमाल लेकर नाचती है । उसी तरह रसीक भी रंगीन साड़ी का धोती पहनकर कमरबंध,गले में चॉदमाला, सिर के पगड़ी के उपर मयूरपंख वांधकर, हाथ में रूमाल ओर वांसूरी लेकर नृत्य करते हें । रसीक के निदेशानुसार ही अपना नृत्य प्रस्तुत करती हैं।

9/8/16

वाद्ययंत्र एवं नृत्य शैली

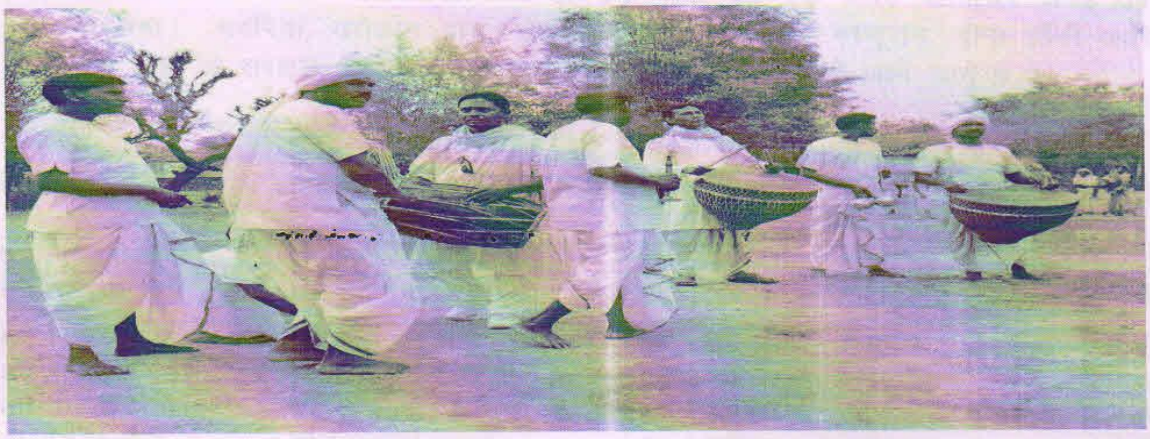

ढोल,नगाड़ा, शहनाई तथा वांसूरी की ताल पर नाचनी राधा के वेश में तथा रसीक कृष्ण के वेश में आखड़ा में प्रवेश करते हैं । आखड़ा में प्रवेश करते ही सभी दर्शक करताली द्वारा कलाकारों का स्वागत करते हैं । पारंपारिक झुमूर संगीत के लय अनुसार सवसे पहले गणेश, शिव ,सरस्वती आदि हिन्दु देव देवियों के वन्दना गीत पर नृत्य की शुरूआत होती है। झूमूर विशेषज्ञ रसीक वारी वारी से गीत गाते है तथा वाद में उस गीत को नाचनी पुनः झोंकती (दुहराती) है । नाचनी नाच एकल एवं सामुहिक दोनों प्रकार की होती है । प्राचीन काल में राजा या जमीनदार अपने दरवार में विशेष नाच गान का आयोजन में उस क्षेत्र के सभी राजा, महाराजा, मानकी, मुण्डा, महतो आदि को अपने अपने नाचनी लेकर आने का निमंत्रण देते थे। सभी जमीनदार राजा, महाराजा, मानकी, मुण्डा महतो आदि अपने अपने नाचनी लेकर नृत्य दरवार में पहुँचकर अपनी कला दिखाते थे । उनमें से सर्वश्रेष्ठ प्रर्दशन करने वाले नाचनी के रसीक को पुरस्कृत किया जाता था ।

क्षेत्र

यह नृत्य झारखण्ड के रॉची , सरायकेला खरसवॉ, खूंटी, तथा पश्चिम वंगाल के पुरूलिया आदि जिले में पायी जाती है तथा इसका आयोजन भी होता है । विशेषकर झारखण्ड के पॉचपरगणा

कला केन्द्र सरायकेला खरसावाँ

क्षेत्र में नाचनी को कला का संरक्षक के रूप में माना गया है । इसी के माध्यम से पुराने पुराने से लोक गीतों को गाया जाने लगा साथ ही उन गीतों को एक जगह से दूसरे जगह तक फैलाया गया। भवपिता, नरोत्तोम दास, रामकृष्ण गांगूली,उदयकवि,वरजूराम, दीना तॉती आदि इस नृत्य शैली के संरक्षक, रसीक तथा महान लोक कवियों के नाम से जाने जाते है ।

वर्तमान में इस नृत्य से जुड़े कुछ कलाकारो का विवरण

कम सं0	कलाकारों का नाम	पिता / पति का नाम	उम्र	लिंग	ग्राम	प्रखण्ड	जिला
1.	श्रीमती सोमारी देवी	श्री जगजीवन लोहरा	35	महिला	जामडीह	तमाड़	रॉची
2.	श्रीमती पूर्णिमा देवी	श्री सुकदेव महतो	45	महिला	पेड़ाईडीह	तमाड़	रॉची
3	श्रीमती शितला देवी	श्री गंगाधर महतो	30	महिला	नवाडीह	तमाड़	रॉची
4	श्रीमती संजोती देवी	श्री राजकुमार मांझी	35	महिला	पारमडीह	बुण्डू	रॉची
5	श्रीमती पार्वती देवी	श्री चन्द्र मोहन मिश्रा	35	महिला	एदेलडीह	तमाड़	रॉची
6	श्रमती मंगला देवी	श्रीउमाचरण महतो	50	महिला	गुटीवारू	तमाड़	रॉची
7	श्री जगजीवन लोहरा	स्व0 अभिराम लोहरा	48	पुरूष	जामडीह	तमाड़	रॉची
8	श्री सुकदेव महतो	कुॅज महतो	47	पुरूष	पेड़ाईडीह	तमाड़	रॉची
9	श्री गंगाधर महतो	स्व0 सहदेव महतो	40	पुरूष	नवाडीह	तमाड़	रॉची
10	श्री राजकुमार मांझी	स्व0 केशव चन्द्र मांझी	42	पुरूष	पारमडीह	बुण्डू	रॉची
11	श्री चन्द्र मोहन मिश्रा	स्व0 माहिन्द्री मिश्रा	55	पुरूष	एदेलडीह	तमाड़	रॉची
12	श्री उमाचरण महतो		60	पुरूष	गुटीवारू	तमाड़	रॉची
13	श्री गंगाधर कुमार	स्व0 मुचीराम कुमार	60	पुरूष	कांटाडीह	वघमुण्डी	पुरूलियाा
14	सभापति महतो	स्व0 श्याम सुन्दर महतो	62	पुरूष	चोगा	ईचागढ़	सरायकेला खरसवॉ
15	व्रजकिशोर सिंह मानकी	स्व0 वैद्यनाथ मानकी	40	पुरूष	सालसुद	सोनाहातु	रॉची
16	शंकर सिंह पांतर	स्व0 सीताराम पातर	44	पुरूष	सावडीह	सोनाहातु	रॉची
17	गुलाप सिंह मुण्डा	स्व0 छुटू सिंह मुण्डा	35	पुरूष	मातकामडीह	ईचागड़	सरायकेला खरसवॉ
18	जटल कालिन्दी	स्व0 भीम कालिन्दी	54	पुरूष	सारीडीह	वघमुण्डी	पुरूलियाा
19	विरेन्द्र नाथ महतो	श्री सनाराम महतो	35	पुरूष	पहाड़पुर	ईचागढ़	सरायकेला खरसवॉ
20	पुषू कर्मकार	स्व0 बुधू कर्मकार	56	पुरूष	चोगा	ईचागढ़	सरायकेला खरसवॉ

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं परम्पराओं के संरक्षण की योजना

का प्रपत्र

1. प्रस्तावित योजना का कार्यक्षेत्र राज्य – झारखण्ड
2. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा का नाम – नाचनी नाच ।
3. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा से सम्बंधित समुदाय का भाषिक क्षेत्र और भाषा उप भाषा तथा वोली का विवरण – पाचपरगनिया और कुरमाली ।
4. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा से स्पष्ट रूप से सम्बंधित प्रतिनिधी का ग्राम, समुदाय, समूह, परिवार, एवं व्यक्ति का नाम एवं संपर्क – संलगन है ।
5. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों की जीवंतता का विस्तारित भौगोलिक क्षेत्र – तमाड़ एवं सोनाहातु प्रखण्ड, जिला – रॉची
6. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा की पहचान एवं उसकी परिभाषा/ उसका विवरण –
   1. मौखिक परम्पराएँ एव अभिव्यक्तियों(भाषा इनमे अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के एक वाहक रूप हैं) – हॉ।
   2. प्रदर्शनकारी कलाएँ – हॉ।
   3. सामाजिक रीति रिवाज, प्रथाएँ,चलन, परम्परा, संस्कार, एवं उत्सव आदि – हॉ
7. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा का एक रूचिपूर्ण सारगर्भित परिचय दें– संलग्न है ।
8. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों की अधिकारी व्यक्ति और अभ्यासी कौन है। क्या इन व्यक्तियों का कोई विशेष भूमिका है या कोई विशेष दायित्य है इस परपरम्परा और प्रथा के अभ्यास एवं अगली पिड़ी को संचरन के निमित्त अगर है तो वो कौन है औ उसका दायित्व क्या है – सभापति महतो नृत्य विशेषज्ञ तथा अन्य कलाकारों का सुची संलग्न है ।
9. ज्ञान और हूनर/ कुशलता का वर्तमान में संचालित तत्वों के साथ क्या अंतर सम्बंध है – लागु नहीं।
10. आज वर्तमान में सम्बंधित समुदाय के लिए इन तत्वों का सामाजिक सांस्कृतिक आयागजनों क्या मायने रखता है – सांस्कृतिक आयोजनों से उनको अपनी प्राचीन संस्कृति का परम्परा के वारे में जानने समझने की मौका मिलता है।
11. क्या योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों में ऐसा कुछ है जिसे प्रतिपादित अंतराष्टीय मानव अधिकार के मानकों के प्रतिकूल माना जा सकता है या फिर जिसे समुदाय, समूह, या फिट व्यक्ति के आपसी सम्मान को ठेस पहुँचती हो या फिर वे उनके स्थायी विकास को वाधित करते हो, क्या प्रस्तावित योजना के तावत या फिर सांस्कृतिक परम्परा में कुछऐसा जो देश के कानून या फिर उनसे जुड़े समुदाय के

12. समन्वय को या दुसरों को क्षति पहुँचती हो विवाद खड़ा करती हो – ऐसा कोई इसमें शामिल नहीं है ।

13. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा की योजना क्या उससे सम्बंधित संवाद के लिए पारदर्शिता, सजगता और प्रोत्साहन को सुनिशिचित करती है — हॉ ।

14. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों के संरक्षण के लिए उठाए जाने वाले उपायों/कदमों/प्रयासों के वारे जानकारी में जो उसको संरक्षित या संर्वधित कर सकते हैं। उल्लेखित उपाय/उपायों को पहचान कर चिन्हीत करें जिसे वर्तमान में सम्बंधित समुदाय, समूह और व्यक्तियों द्वारा अपनाया जाता हे ।

1. औपचारिक एवं अनौपचारिक तरीके से प्रशिक्षण(संचरन)– हॉ
2. पहचान एवं दस्तावेजिकरन – हॉ
3. संरक्षन एवं संरक्षन – हॉ
4. संवर्धन एवं बढ़ावा – हॉ
5. पुनरूद्वार एवं पुर्नजीवन – हॉ

15. स्थानीय राज्य, राष्ट्रीयस्तर पर प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों के संरक्षन के लिए अधिकारियों ने क्या किए। उनका विवरन दे – उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा ।

16. योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों के व्यवहार, जीवंतता और भविष्य को क्या खतरा है । वर्तमान परिदृश्य के उपलब्ध साक्ष्यों और सम्बंधित कारनों का व्योरा दें – फिलहाल इस नृत्य पर नये लोग जुड़ते नहीं है, इसको हर प्रकार से सहयोग प्रदान की ज़रूरत है अन्यथा इस नृत्य का विलुप्त होना निश्चित है ।

17. संरक्षन के क्या उपाय अपनाने का सुझाव है । इनमें से उन उपायों का के पहचान कर उनकी चर्चा करें जिससे की प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के संरक्षन, संवर्धन को वढ़ावा मिल सके । ये उपाय ठोस हों जिसे भविष्य की सांस्कृतिक नीति के साथ आत्मसात किया जा सके ताकि प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों का राज्य स्तर पर संरक्षन किया जा सके। – सुझाव निम्न प्रकार से है –

1.अन्य कला संस्कृति की तरह इनको भी राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुति का मौका दिया जाना चाहिए

2.समय समय पर इस नृत्य शैली का प्रशिक्षण, सांस्कृतिक आयोजन, काग्रशाला आदि का की आयोजन होना जरूरी है ।

3 संबंधित संस्थाओं,कलाकारों को सरकारी सहायता मिले ।

17 समुदायिक सहभागिता(प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के संरक्षन की योजना में समुदाय समुह व्यक्ति की सहभागिता के वारे लिखे)

9/8/16

18 सम्बंधित समुदाय, संगठन या प्रतिनिधी या अन्य गैर सरकारी संस्था जैसे की एसोसिएशन, ऑरगेनाइजेशन, क्लब, गिल्ड, सलाहकार ,मिति स्टीयरींग कमिटि आदि ।

क. 1.संस्था / कम्पनी / हस्ती का नाम – पांचपरगनिया झूमूर एवं नृत्य समिति

2..सम्बंधित अधिकारी व्यक्ति का नाम व पदनाम व सम्पर्क – श्री गंगाधर महतो,

3 पता – ग्राम –नवाडीह, प्रखण्ड – तमाड़, जिला रॉची ।

4 फोन न0– 09931629998

5 इमेल –

6 अन्य सम्बंधित जानकारी –

ख. 1. संस्था / कम्पनी / हस्ती का नाम – श्रीमती **सोमारी देवी**

2..सम्बंधित अधिकारी व्यक्ति का नाम व पदनाम व सम्पर्क –

3.पता –ग्राम – जामडीह, प्रखण्ड – तमाड, जिला – रॉची

4.फोन न0–9572950971

5.इमेल –

6.अन्य सम्बंधित जानकारी

19. किसी मौजूदा इवेन्टरी, ढेटावेस या डेटाकिएयेशन सेंटर (स्थनीय / राजकीय राष्टीय)की जानकारी जिसका आपकों पता हो या किसी कार्यालय एजेंसी,आर्गेनाइजेशन या व्यक्ति की जानकारी हो इस तरह के सुची को संभलकर रखता हा उसकी जानकारी दें।

20..योजना का प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों से सम्बंधित प्रमुख प्रकाशित सुची या दस्तावेज (किताब, लेख.आडियों, विजुयल सामग्री लाइब्रेरी म्यूजियम ,प्राइवेट संग्रहाकों ,कलाकारों / व्यक्तियों के नाम और पते तथा वेवसाइट आदि जो सम्बंधित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के वारे में हो।)

नाम एवं पदनाम– प्रभात कुमार महतो
सचिव
नटराज कला केन्द्र चोगा
ग्राम – चोगा, पो0 – सोरो,
थाना – ईचागढ़, जिला – सरायकेला खरसवॉ
झारखण्ड– 832403

9/8/16

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :–श्रीमती सोमवारी देवी
2. पिता/पति का नामः– श्री जगजीवन लोहरा
3. उम्र :– 35
4. पता :– ग्राम – जामडीह, पो0 – उलीलोहर, प्रखण्ड – तमाड़ ,जिला – रॉची , पिन कोड – 835225
5. लिंग :– महिला
6. धर्म :– हिन्दु
7. जाति :– अ0 ज0 जा0
8. पेशा :– कृषि
9. योग्यता :– साक्षर
10. उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान – चोगा

हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :—श्रीमती पूर्णिमा देवी
2. पिता / पति का नामः— श्री सुकदेव महतो
3. उम्र :— 45
4. पता :— ग्राम — पेड़ाइडीह पो0 — जानमपीड़ी, प्रखण्ड — तमाड़ ,जिला — रॉची , पिन कोड — 835225
5. लिंग :— महिला
6. धर्म :— हिन्दु
7. जाति :— पिछड़ा वर्ग
8. पेशा :— कृषि
9. योग्यता :— साक्षर
10. उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चोगा

पूर्णिमा देवी
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र रांची

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :—श्रीमती शितला देवी
2. पिता/पति का नाम:— श्री गंगाधर महतो
3. उम्र :— 30
4. पता :— ग्राम — नवाडीह, पो0 — डूम्ब्रूजरदा, प्रखण्ड — तमाड़ ,जिला — रॉची , पिन कोड — 835225
5. लिंग :— महिला
6. धर्म :— हिन्दु
7. जाति :— पिछड़ी
8. पेशा :— कृषि
9. योग्यता :— साक्षर
10. उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चोगा

शीतला देवी
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र सरायकेला झारखंड

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :–श्रीमती संजोती देवी
2. पिता/पति का नामः– श्री राजकुमार मांझी
3. उम्र :– 35
4. पता :– ग्राम – पारमडीह, पो0 – रेलाडीह, प्रखण्ड – बुण्डू ,जिला – रॉची , पिन कोड – 835225
5. लिंग :– महिला
6. धर्म :– हिन्दु
7. जाति :– अ0 ज0 जा0
8. पेशा :– कृषि
9. योग्यता :– साक्षर
10. उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान – चोगा

संजोती देवी
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र चोगा

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :—श्रीमती पार्वती देवी
2. पिता/पति का नामः— श्री चन्द्रमोहन मिश्रा
3. उम्र :— 35
4. पता :— ग्राम — एदेलडीह, पो0 — डूम्ब्रूजरदा,, प्रखण्ड — तमाड़ ,जिला — रॉची , पिन कोड — 835225
5. लिंग :— महिला
6. धर्म :— हिन्दु
7. जाति :— पिछड़ा
8. पेशा :— कृषि
9. योग्यता :— साक्षर
10. उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016.
स्थान — चोगा

पार्वती देवी
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :–श्रीमती मंगला देवी
2. पिता/पति का नामः– श्री उमाचरण महतो
3. उम्र :– 50
4. पता :– ग्राम –गुटीवारू, पो0 –सेदाउरी,, प्रखण्ड – तमाड़ ,जिला – रॉची , पिन कोड – 835225
5. लिंग :– महिला
6. धर्म :– हिन्दु
7. जाति :– पिछड़ा
8. पेशा :– कृषि
9. योग्यता :– साक्षर
10. उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान – चोगा

मंगला देवी
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :— श्री जगजीवन लोहरा
2. पिता/पति का नामः— स्व0 अभिराम लोहरा
3. उम्र :— 48
4. पता :— ग्राम — जामडीह, पो0 — उलीलोहर, प्रखण्ड — तमाड़ ,जिला — रॉची , पिन कोड — 835225
5. लिंग :— पुरूष
6. धर्म :— हिन्दु
7. जाति :— अ0 ज0 जा0
8. पेशा :— कृषि
9. योग्यता :— साक्षर
10. उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चोगा

जगजीवन लोहरा
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र सरायकेला

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :— श्री सुकदेव महतो
2. पिता/पति का नामः— कुँज महतो
3. उम्र :— 47

4 पता :— ग्राम — पेड़ाइडीह, पो0 — जानमपीड़ी, प्रखण्ड — तमाड़ ,जिला — रॉची , पिन कोड — 835225

5 लिंग :— पुरूष

6 धर्म :— हिन्दु

7 जाति :— पिछड़ी

8 पेशा :— कृषि

9 योग्यता :— साक्षर

10 उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चोगा

सुकदेव महतो
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम : श्री गंगाधर महतो
2. पिता / पति का नाम:– स्व0 सहदेव महतो
3. उम्र :– 40
4. पता :– ग्राम – नवाडीह पो0 – डूम्ब्रूजरदा, प्रखण्ड – तमाड़ ,जिला – रॉंची , पिन कोड – 835225
5. लिंग :– पुरूष
6. धर्म :– हिन्दु
7. जाति :– पिछड़ा वर्ग
8. पेशा :– कृषि
9. योग्यता :– साक्षर
10. उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016

स्थान – चोगा

गंगाधर महतो
हस्ताक्षर

02/05/16

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :— श्री राजकुमार मांझी
2. पिता/पति का नाम:— स्व0 केशव चन्द्र मांझी
3. उम्र :— 42
4. पता :— ग्राम — पारमडीह, पो0 — रेलाडीह, प्रखण्ड — बुण्डू ,जिला — राँची , पिन कोड — 835225
5. लिंग :— पुरूष
6. धर्म :— हिन्दु
7. जाति :— अ0 ज0 जा0
8. पेशा :— कृषि
9. योग्यता :— साक्षर
10. उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चोगा

राजकुमार मांझी
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम :— श्री चन्द्रमोहन मिश्रा
2. पिता/पति का नामः— स्व0 माहिन्द्री मश्रा
3. उम्र :— 55
4. पता :— ग्राम — एदेलडीह, पो0 — डूम्ब्रूजरदा,, प्रखण्ड — तमाड़ ,जिला — रॉची , पिन कोड — 835225
5. लिंग :— पुरूष
6. धर्म :— हिन्दु
7. जाति :— पिछड़ा
8. पेशा :— कृषि
9. योग्यता :— साक्षर
10. उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चोगा

चन्द्रमोहन मिश्रा
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र सायकला

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम : श्री उमाचरण महतो
2. पिता / पति का नाम:— स्व0 दधि महतो
3. उम्र :— 60
4. पता :— ग्राम — गुटीवारू, प्रखण्ड — तमाड़ ,जिला — रॉची , पिन कोड — 835225
5. लिंग :— पुरूष
6. धर्म :— हिन्दु
7. जाति :— हरिजन
8. पेशा :— कृषि
9. योग्यता :— साक्षर
10. उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016

स्थान — चोगा

हस्ताक्षर

02/05/16

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम : श्री गंगााधर कुमार
2. पिता/पति का नामः— स्व0मुचीराम कुमार
3. उम्र :— 60
4. पता :— ग्राम — कांटाडीह, प्रखण्ड — वाघमुण्डी ,जिला — पुरूलिया ।
5. लिंग :— पुरूष
6. धर्म :— हिन्दु
7. जाति :— पिछड़ा वर्ग
8. पेशा :— कृषि
9. योग्यता :— साक्षर
10. उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चोगा

हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1. कलाकारों का नाम : – श्री व्रजकिशोर मानकी
2. पिता/पति का नामः– स्व0 वैद्यनाथ मानकी
3. उम्र :– 40

4 पता :– ग्राम – सालसुद पो0 –जाड़ैया, प्रखण्ड –सोनाहातु ,जिला – रॉची , पिन कोड – 835225

5 लिंग :– पुरूष

6 धर्म :– हिन्दु

7 जाति :– अ ज जा

8 पेशा :– कृषि

9 योग्यता :– साक्षर

10 उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक .....
स्थान – चोगा

व्रज किशोर मानकी
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र

कलाकारों का जीवन वृत

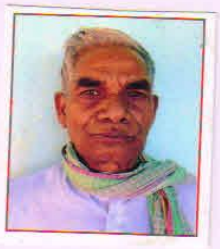

1. कलाकारों का नाम :— श्री सभापति महतो
2. पिता / पति का नाम:— श्याम सुन्दर महतो
3. उम्र :— 62

4 पता :— ग्राम —चोगा पो0 —सोरो, प्रखण्ड — ईचागड़ ,जिला — सरायकेला खरसवॉ , पिन कोड — 833403

5 लिंग :— पुरूष
6 धर्म :— हिन्दु
7 जाति :— पिछड़ी
8 पेशा :— कृषि
9 योग्यता :— साक्षर
10 उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चौंगा

सभापति महतो
हस्ताक्षर

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1 कलाकारों का नाम : – शंकर सिंह पातर
2 पिता / पति का नामः– स्व0 सीताराम पातर
3 उम्र :– 44

4 पता :– ग्राम – सावडी पो0 – चोकाहातु प्रखण्ड – सोनाहातु ,जिला – रॉची ,. पिन कोड –
5 लिंग :– पुरूष
6 धर्म :– हिन्दु
7 जाति :– अ ज जा
8 पेशा :– कृषि
9 योग्यता :– साक्षर
10 उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान – चोगा

शंकर सिंह मुण्डा
हस्ताक्षर

कलाकारों का जीवन वृत

1 कलाकारों का नाम : – गुलाप सिंह मुण्डा
2 पिता / पति का नाम:– स्व0 छुटू सिंह मुण्डा
3 उम्र :– 35

4 पता :– ग्राम – मातकामडीह, पो0 –तुता प्रखण्ड – ईचागढ़ ,जिला – सरायकेला खरसवॉ , पिन कोड –832403
5 लिंग :– पुरूष
6 धर्म :– हिन्दु
7 जाति :– अ ज जा
8 पेशा :– कृषि
9 योग्यता :– मैट्रिक
10 उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान – चोगा

गुलाप सिंह मुण्डा
हस्ताक्षर

02/05/16

नटराज कला केन्द्र चोगा सरायकेला खरसावाँ झारखण्ड

कलाकारों का जीवन वृत

1 कलाकारों का नाम : – जटल कालिन्दी
2 पिता / पति का नामः– स्व0 भीम कालिन्दी
3 उम्र :– 54
4 पता :– ग्राम – सारीडीह, पो0 – सारीडीह प्रखण्ड – वाघमुण्डी ,जिला – पुरूलिया ,
5 लिंग :– पुरूष
6 धर्म :– हिन्दु
7 जाति :– अ जा
8 पेशा :– कृषि
9 योग्यता :– साक्षर
10 उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान – चोगा

हस्ताक्षर

02/05/16

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन

कलाकारों का जीवन वृत

1 कलाकारों का नाम :– श्री विरेन्द्र नाथ महतो
2 पिता / पति का नाम:– सनाराम महतो
3 उम्र :– 35

4 पता :– ग्राम –पहाड़पुर, पो0 –सोरो, प्रखण्ड – ईचागढ़ ,जिला – सरायकेला खरसवॉ , पिन कोड – 833403

5 लिंग :– पुरूष
6 धर्म :– हिन्दु
7 जाति :– पिछड़ी
8 पेशा :– कृषि
9 योग्यता :– मैट्रिक
10 उपलब्धि :– नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान – चोगा

विरेन्द्र नाथ महतो

02/5/16

कलाकारों का जीवन वृत

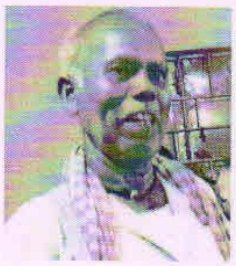

1. कलाकारों का नाम :— श्री पुषू कर्मकार
2. पिता / पति का नाम :— स्व0 बुधू कर्मकार
3. उम्र :— 56

4. पता :— ग्राम —चोगा पो0 —सोरो, प्रखण्ड — ईचागढ़ ,जिला — सरायकेला खरसवॉ , पिन कोड — 833403

5 लिंग :— पुरूष
6 धर्म :— हिन्दु
7 जाति :— पिछड़ी
8 पेशा :— कृषि
9 योग्यता :— साक्षर
10 उपलब्धि :— नाचनी नाच में राष्टीय स्तर तक कार्यकम प्रस्तुति करने का अनुभव प्राप्त ।

दिनांक 30/04/2016
स्थान — चोगा

पुषु कर्मकार
हस्ताक्षर

Hkkjr dh vewrZlkaLd`frdfojklr ,oaijEijkvksa ds laj{k.k dh ;kstuk dkizi=

1- izLrkfor ;kstukdkdk;Z{ks= jkT; &>kj[k.M
2- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijkdkuke&ukpuhukpA
3- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijklslEcaf/krleqnk; dkHkkf"kd {ks= vkSjHkk"kk mi Hkk"kkrFkkoksyhdkfooj.k&ikpijxfu;kvkSjdqjekyhA
4- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijklsLi"V :IklslEcaf/krizfrfu/khdkxzke] leqnk;] lewg] ifjokj] ,oaO;fDrdkuke ,oalaidZ&layxugSA
5- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk ds rRoksa dh thoarrkdkfoLrkfjrHkkSxksfyd {ks= &rekM+ ,oalksukgkrqiz[k.M] ftyk&jkWph
6- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk dh igpku ,oamldhifjHkk"kk@ mldkfooj.k&
    1- ekSf[kdijEijk,W ,o vfHkO;fDr;ksa¼Hkk"kk buesvewrZlkaLd`frdfojklrds ,d okgd :Ik gSa½ &agkWA
    2- izn'kZudkjhdyk,W&gkWA
    3- lkekftdjhfrfjokt] izFkk,W]pyu] ijEijk] laLdkj] ,oamRlovkfn&gkW
7- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijkdk ,d :fpiw.kZlkjxfHkZrifjp; nsa&layXugS A
8- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk ds rRoksa dh vf/kdkjhO;fDrvkSjvH;kklhdkSugSAD;kbuO;fDr;ksadkdksbZfo'ks"kHkwfedk gS ;k dksbZfo'ks"knkf;R; gSblijijEijkvkSjizFkk ds vH;kkl ,oavxyhfiM+hdkslapju ds fufeRrvxjgSrks oks dkSugSvkSmldknkf;RoD;kkgS&lHkkifregrksu`R; fo'ks"kKrFkkvU; dykdkjksadklqphlayXugS A
9- KkuvkSjgwuj@ dq'kyrkdkorZekuesalapkfyrrRoksa ds lkFkD;kkvarjlEca/k gS&ykxqughaA

10- vktorZekuesalEcaf/krleqnk; ds fy, burRoksadklkekftdlkaLd`frdvk;kxtuksaD;kkek;us j[krkgS&lkaLd`frdvk;kstuksalsmudksviuhizkphulaLd`frdkijEijk ds okjsesatkuus le>us dh ekSdkfeyrkgSA

11- D;k;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk ds rRoksaesa ,slkdqNgSftlsizfrikfnrvarjk"Vh; ekuovf/kdkj ds ekudksa ds izfrdwyekuktkldrkgS ;k fQjftlsleqnk;] lewg] ;k fQVO;fDr ds vkilhlEekudksBsligWqprhgks ;k fQjos muds LFkk;hfodkldksokf/krdjrsgks] D;kizLrkfor ;kstuk ds rkor ;k fQjlkaLd`frdijEijkesadqN,slktksns'k ds dkuwu ;k fQjmulstqM+sleqnk; ds

12- lEkUo; dks ;k nqljksadks {kfrigWqprhgksfookn [kM+kdjrhgks&,slkdksbZblesa 'kkfeyughagS A

13- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk dh ;kstukD;kmllslEcaf/krlaokn ds fy, ikjnf'kZrk] ltxrkvkSjizksRlkgudkslqfuf'kfprdjrhgS&gkW A

14- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk ds rRoksa ds laj{k.k ds fy, mBk, tkusokysmik;ksa@dneksa@iz;klksa ds okjstkudkjhesatksmldkslajf{kr ;k laoZf/krdjldrsgSaaAmYysf[krmik;@mik;ksadksigpkudjfpUghrdjsaftlsorZekuesalEcaf/krleqnk;] lewgvkSjO;fDr;ksa }kjkviuk;ktkrkgs A

1 – vkSipkfjd ,oavukSipkfjdrjhdslsizf'k{k.k¼laapju½&gkW

2 – igpku ,oanLrkosftdju&gkW

3 – laj{ku ,oalaj{ku&gkW

4 – Lkao/kZu ,oa c<+kok&gkW

5 – Ikqu:}kj ,oaiquZthou&gkW

15- LFkkuh; jkT;] jk"Vªh;LrjijIkzLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk ds rRoksa ds laj{ku ds fy, vf/kdkfj;ksa us D;kfd,Amudkfooju ns &mfprekxZn'kZuiznkufd;ktk,xk A

16- ;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk ds rRoksa ds O;ogkj] thoarrkvkSjHkfo"; dksD;k [krjkgSA orZekuifjn`'; ds miyO/k lk{;ksavkSjlEcaf/krdkjuksadkO;ksjknsa&fQygkyblu`R;

iju;syksxtqM+rsughagS] bldksgjizdkjlslg;ksxiznku dh t:jr gSvU;Fkkblu`R; dkfoyqIrgksukfuf'prgSA

17- Lakj{ku ds D;kmik; viukusdklq>kogS A buesals mu mik;ksadk ds igpkudjmudhppkZdjsaftllsdhizLrkforlkaLd`frdfojklr @ ijEijk ds rRoksa ds laj{ku] lao/kZudks o<+kok fey lds A ;s mik; BkslgksaftlsHkfo"; dh lkaLd`frduhfr ds lkFkvkRelkrfd;ktkldsrkfdizLrkforlkaLd`frdfojklr @ ijEijk ds rRoksadkjkT; Lrjijlaj{kufd;ktkldsA&lq>kofuEuizdkjlsgS&

1-vU; dyklaLd`fr dh rjgbudksHkhjk"Vªh; rFkkvarjk"Vªh; eapijizLrqfrdkekSdkfn;ktkukpkfg, a

2-le; le; ijblu`R; 'kSyhdkizf'k{k.k] lkaLd`frdvk;kstu] dk;z'kkykvkfndk dh vk;kstugksuk t:jh gS A

3 lacaf/krlaLFkkvksa]dykdkjksadksljdkjhlgk;rkfeys A

17 Lkeqnkf;d lgHkkfxrk¼izLrkforlkaLd`frdfojklr @ ijEijk ds rRoksa ds laj{ku dh ;kstukesaleqnk; leqgO;fDr dh lgHkkfxrk ds okjsfy[ks½

18 lEcaf/krleqnk;]laxBu ;k izfrfu/kh ;k vU; xSjljdkjhlaLFkktSls dh ,lksfl,'ku] vkWjxsukbts'ku] Dyc] fxYM] lykgdkj]fefrLVh;jhaxdfefVvkfn A

d- 1-laLFkk@dEiuh@ gLrhdkuke&ikapijxfu;k>wewj ,oau`R; lfefr

2--lEcaf/krvf/kdkjhO;fDrdkuke o inuke o lEidZ&Jhxaxkk/kjegrks]

3 irk &xzke&uokMhg] iz[k.M&rekM+] ftykjkWph A

4 Qksu u0& 09931629998

5 besy&

6 vU; lEcaf/krtkudkjh&

[k- 1-laLFkk@dEiuh@ gLrhdkuke&Jherhlksekjhnsoh

2--lEcaf/krvf/kdkjhO;fDrdkuke o inuke o lEidZ&

3-irk &xzke&tkeMhg] iz[k.M&rEkkM] ftyk&jkWph+

4-Qksu u0&9572950971

5-besy &

6-vU; lEcaf/krtkudkjh

19- fdlhekStwnkbosUVjh] <sVkosl ;k MsVkfdz,;s'kulsaVj¼LFkuh;@jktdh; jk"Vh;½dh tkudkjhftldkvkidksa irk gks ;k fdlhdk;kZy; ,tsalh]vkxsZukbts'ku ;k O;fDr dh tkudkjhgksblrjg ds lqphdkslaHkydj j[krkgkmldhtkudkjhnsasA

20--;kstukdkizLrkforlkaLd`frdfojklr@ijEijk ds rRoksalslEcaf/krizeq[k izdkf'krlqph ;k nLrkost¼fdrkc] ys[k vkfM;ksa] fotq;ylkexzhykbczsjhE;wft;e ]izkbosVlaxkzgkdksa ]dykdkjksa@O;fDr;ksa ds ukevkSjirsrFkkosolkbVvkfntkslEcaf/krlkaLd`frdfojklr@ijEijk ds rRoksa ds okjsesagksA ½

uke ,oainuke&izHkkrdqekjegrks
lfpo
uVjktdykdsUnzpksxk
xzke&pksxk] iks0 &lksjks]
Fkkuk&bZpkx<+] ftyk&ljk;dsyk [kjlokW
>kj[k.M& 832403

विविध सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के तहत नाचनी नाच का प्रलेखिकरन एवम् कार्यशाला

प्रायोजक : संगीत नाटक अकादमी

आयोजकः नटराज कला केन्द्र चोगा

साधरणतः जो महिला नाचती है उसे नाचनी कहा जाता है,लेकिन वास्तव में झूमूर गीत के साथ साथ नाचने वाली को नाचनी कहा जाता है।
नाचनी नाच में झूमूर गीत को गीतों का प्राण कहा गया है
तथा गाने वालो को प्राण फूंकने का माध्यम है नाचनी ।
नाचनी अपनी नृत्य कला के साथ गायन में भी पारंगत होती है ।

नाचनी नाच उत्सव

नाचनी नाच का प्रचलन जमीनदारी प्रथा काल से ही रहा है ।
पहले राजा ,महाराजा, मुण्डा, मानकी, ठाकुर,खुंटकाटीदार आदि
अपने अपने दरवार में मनोरंनजन हेतु यह नृत्य कराते थे ।
उन जमीनदारों के पारिवारिक तथा पारंम्पारिक उत्सव यथा – करमा,
जितुआ, षादी–विवाह, मुंहजूठी, केस मुकदमा की जीत
आदि में नाचनी नाच के माध्यम से मनोरंजन करते थे ।
विषेश तौर पर अभी भी इसका आयोजन कार्तिक पूर्णिमा यानि रासपूर्णिमा के दिन होता है ।
प्रचलित कथानुसार द्वापर युग में
भगवान श्रीकृश्ण ने कार्तिक पूणिमा के दिन राधिका सहित अपने सखियों के साथ जो रासलीला किया था,
उसी रासलीला की परम्परा को वनाये रखने हेतु राजा महाराजाओं ने
अपने दरवार पर बने अखाड़े पर नाचनी नाच का आयोजन करते है।
नाचनी वही बन सकती है जो नृत्य के साथ गायन में भी निपुण होते है ।
नाचनी रखने वाला को रसीक (उस्ताद) कहते हैं ।
नाचनी अपने मालिक यानि रसीक के आदेष के विना नृत्य एवं गायन नहीं करती हैं।

वेश–भूशा

नाचनी अपनी माथे पर फूल, चेहरा पर सुन्दर ढंग से सजकर,
वदन पर चमकीले पोशाक, कमरबंध, पैरों पर घूंघरू बांधकर, हाथ में रूमाल लेकर नाचती है ।
उसी तरह रसीक भी रंगीन साड़ी का धोती
पहनकर कमरबंध,गले में चॉदमाला, सिर के पगड़ी के उपर मयूरपंख वांधकर, हाथ
में रूमाल ओर वांसूरी लेकर नृत्य करते हें ।
रसीक के निदेषानुसार ही अपना नृत्य प्रस्तुत करती हैं।

वाद्ययंत्र एवं नृत्य षैली

ढोल,नगाड़ा, षहनाई तथा वांसूरी की ताल पर नाचनी राधा के वेष में तथा रसीक कृश्ण के वेष में आखड़ा में प्रवेष करते हैं ।
आखड़ा में प्रवेष करते ही सभी दर्षक करताली द्वारा कलाकारों का स्वागत करते हैं ।
पारंपारिक झुमूर संगीत के लय अनुसार सवसे पहले गणेष, षिव ,सरस्वती
आदि हिन्दु देव देवियों के वन्दना गीत पर नृत्य की षुरूआत होती है।
झूमूर विषेशज्ञ रसीक वारी वारी से गीत गाते है तथा वाद में उस गीत को नाचनी पुनः झोंकती (दुहराती) है ।
नाचनी नाच एकल एवं सामुहिक दोनों प्रकार की होती है ।
प्राचीन काल में राजा या जमीनदार अपने दरवार में विषेश नाच गान का आयोजन में उस क्षेत्र के
सभी राजा, महाराजा, मानकी, मुण्डा, महतो आदि को अपने अपने नाचनी लेकर आने का निमंत्रण देते थे।
सभी जमीनदार राजा, महाराजा, मानकी, मुण्डा महतो आदि अपने अपने नाचनी लेकर नृत्य दरवार में पहुॅचकर अपनी कला दिखाते थे ।
उनमें से सर्वश्रेश्ठ प्रर्दषन करने वाले नाचनी के रसीक को पुरस्कृत किया जाता था ।

क्षेत्र

यह नृत्य झारखण्ड के रॉची , सरायकेला खरसवॉ, खूंटी, तथा पश्चिम वंगाल के पुरूलिया
आदि जिले में पायी जाती है तथा इसका आयोजन भी होता है ।
विशे"ाकर झारखण्ड के पॉचपरगणा क्षेत्र में नाचनी को कला का संरक्षक के रूप में माना गया है ।
इसी के माध्यम से पुराने पुराने से लोक गीतों को गाया जाने लगा
साथ ही उन गीतों को एक जगह से दूसरे जगह तक फैलाया गया।
भवपिता, नरोत्तोम दास, रामकृ"ण गांगूली,उदयकवि,वरजूराम, दीना तॉती आदि
इस नृत्य ैली के संरक्षक, रसीक तथा महान लोक कवियों के नाम से जाने जाते है ।

दिनांक : 2/5/2016 से 5/05/2016
तक कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

नाचनी नाच में प्रयुक्त होने
वाले वाद्य यंत्र
एंव वादक कलाकार

नटराज कला केन्द्र चोगा
सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, निबंधन सं- -303/2003-2004 (राँची), ग्राम-चोगा, पो- -सोरो, प्रखण्ड-ईचागढ़, जिला-सरायकेला-खरसाँ
फोन -9934150079, Email- nkkchoga@gmail.com, Web- www.natrajkalakendrachoga.com
मुख्य प्रस्तुति
मानभूम छऊ नृत्य
पाईका नृत्य

Sangeet Natak Akademi
नाचनी नाच का
प्रलेखन एवं कार्यशाला
सौजन्य - संगीत
अकादेमी
केन्द्र

नाचनी नाच का
प्रलेखन एवं कार्यशाला

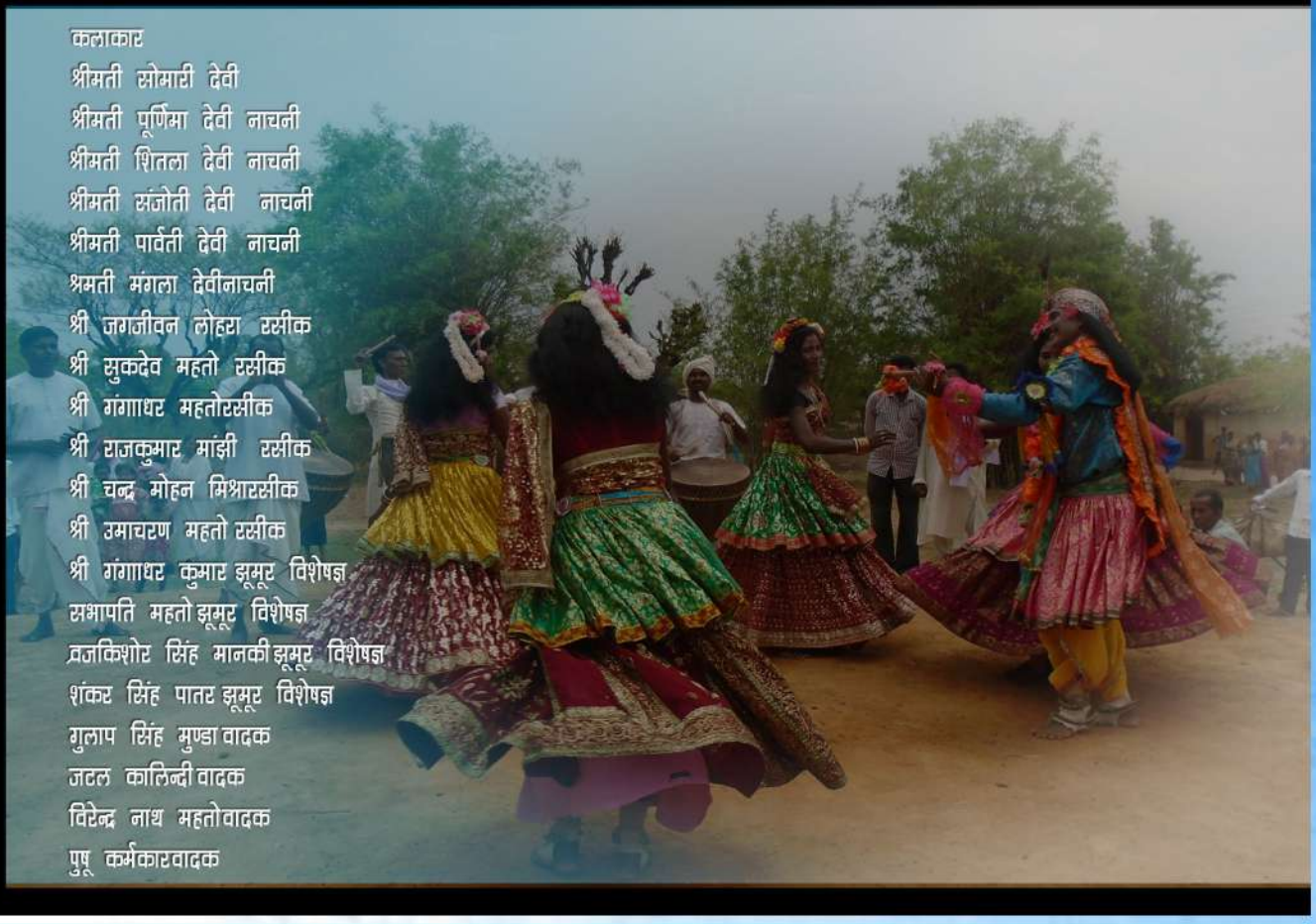

कलाकार
श्रीमती सोमारी देवी
श्रीमती पूर्णिमा देवी नाचनी
श्रीमती शितला देवी नाचनी
श्रीमती संजोती देवी नाचनी
श्रीमती पार्वती देवी नाचनी
श्रमती मंगला देवीनाचनी
श्री जगजीवन लोहरा रसीक
श्री सुकदेव महतो रसीक
श्री गंगाधर महतोरसीक
श्री राजकुमार मांझी रसीक
श्री चन्द्र मोहन मिश्रारसीक
श्री उमाचरण महतो रसीक
श्री गंगाधर कुमार झूमूर विशेषज्ञ
सभापति महतो झूमूर विशेषज्ञ
व्रजकिशोर सिंह मानकी झूमूर विशेषज्ञ
शंकर सिंह पातर झूमूर विशेषज्ञ
गुलाप सिंह मुण्डा वादक
जटल कालिन्दी वादक
विरेन्द्र नाथ महतोवादक
पुषू कर्मकारवादक

धन्यवाद